पिरामिड मास्टर्स की जय

मेरे प्रिय पिरामिड मास्टर्स व मित्रगण!

हमारी भूमि एक नए युग में कदम रख रही है।

भूमि फोटॉन बैंड में प्रवेश कर रही है।

Photon Band महान पूर्ण शक्ति का प्रवाह है।

26,000 सालों में एक बार फ़ाटान बांड में सौर व्यवस्था का आगमन होता है।

1987 से यह अद्‌भुत काम शुरू हुआ।

2012 के साल म कार्य पूर्ण होगा। अब भी शक्ति की किरणें पृथ्वी पर बरस रही ह। वर्षा के समय यदि हाथ में पात्र है तो हम जल-संचय कर सकते हैं पर यदि पानी है ही नहीं तो कुछ नहीं कर सकते। पर हमारे पास तो असीम जल है, ध्यान नमक पात्र से उस महान विश्वशक्ति को पीने के लिए तैयार रहना है। शून्य दिमाग खाली पात्र जैसा है। इसलिए वह जल संग्रह हेतु तैयार है।

ध्यान का मतलब है मन को शून्य करना।

भूमण्डल की यह नई शताब्दी ध्यान की सदी है।

सारे पिरामिड मास्टर्स उस सदी के लाडले है।

सारी दुनिया में पिरामिड नई सदी का प्रतीक है।

पिरामिड की जय! नई सदी की जय!!

ध्यान की जय! श्वास की जय!!

ध्यान गुरु की जय! पिरामिड मास्टर्स की जय!!